आई.टी.एस. कॉलेज ऑफ फामेर्सी में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का फार्मेसी में उपयोग पर विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन

बुलन्द संदेश ब्यूरो

मुरादनगर। (नासिर मंसूरी) दिल्ली मेरठ रोड पर असालत नगर के निकट स्थित आईटीएस कॉलेज ऑफ फॉमेर्सी द्वारा को फामेर्सी के क्षेत्र में नवाचार और तकनीकी उन्नति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ह्लकृत्रिम बुद्धिमत्ता इन फामेर्सीह्व विषय पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम वैल्यू एडेड कोर्स के अंतर्गत मॉड्यूल-1 का हिस्सा था। कार्यक्रम का शुभारम्भ आईटीएस-दी एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आर.पी. चढ्डा, वाईस चेयरमैन अर्पित चढ्डा संस्थान के निदेशक डॉ. एस. सदीश कुमार एवं मुख्य अतिथि डॉ० वरूण सिंह, साइंटिस्ट-क्क्क गवर्नमेंट मेडिकल डिवाइस टेस्टिंग ऑफिसर, बायो- सेफ्टी ऑफिस, नोएडा ने सरस्वती माँ के समक्ष दीप प्रज्वलन व सरस्वती वंदना के साथ किया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ० वरूण सिंह ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता के फामेर्सी क्षेत्र में

बढ़ते महत्व, दवा विकास, रोग निदान और फार्मास्युटिकल रिसर्च में इसके उपयोग पर विस्तृत जानकारी दी। साथ ही, उन्होंने छात्रों को आधुनिक तकनीकों के प्रति जागरूक रहने और अपने कौशल को निरंतर विकसित करने के लिए प्रेरित किया। व्याख्यान के दौरान एक रोचक प्रश्नोत्तर सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस सत्र में छात्रों ने ह्लफामेर्सी में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंसह्व के उपयोग, दवाओं के निर्माण में इसकी भूमिका, तथा भविष्य में रोजगार के अवसरों से संबंधित कई महत्वपूर्ण प्रश्न पूछे। मुख्य अतिथि ने सरल एवं स्पष्ट भाषा में सभी प्रश्नों के उत्तर देते हुए बताया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस दवा खोज, रोगों के निदान, तथा व्यक्तिगत उपचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि आने वाले समय में फामेर्सी क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग तेजी से बढ़ेगा, जिससे नई तकनीकों और शोध के अवसरों में वृद्धि होगी।

आईटीएस कॉलेज ऑफ फार्मेसी में कृत्रिम बुद्धिमत्ता

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का फार्मेसी में उपयोग पर विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन

अथाह संवाददाता

मुरादनगर। आईटीएस कॉलेज ऑफ फामेर्सी, मुरादनगर, गाजियाबाद द्वारा शुक्रवार को फामेर्सी के क्षेत्र में नवाचार और तकनीकी उन्नति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'कृत्रिम बुद्धिमत्ता इन फामेर्सी' विषय पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम वैल्यू एडेड कोर्स के अंतर्गत मॉड्यूल-1 का हिस्सा था।

कार्यक्रम का शुभारम्भ आईटीएस-दी एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डा. आरपी चड्डा, वाईस चेयरमैन अर्पित चड्डा, संस्थान के निदेशक डा. एस सदीश कुमार एवं मुख्य अतिथि डा. वरूण सिंह, साइंटिस्ट-गवर्नमेंट मेडिकल डिवाइस टेस्टिंग ऑफिसर, बायो- सेफ्टी ऑफिस, नोएडा ने सरस्वती माँ के समक्ष दीप प्रज्वलन व सरस्वती वंदना के साथ किया।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में डा. वरूण सिंह, साइंटिस्ट गवर्नमेंट मेडिकल डिवाइस टेस्टिंग ऑफिसर, बायो- सेफ्टी ऑफिस, नोएडा ने भाग लिया। उन्होंने कृत्रिम बुद्धिमत्ता के फामेर्सी क्षेत्र में बढ़ते महत्व, दवा विकास, रोग निदान और फार्मास्युटिकल रिसर्च में इसके उपयोग पर विस्तृत जानकारी दी। साथ ही, उन्होंने छात्रों को आधुनिक तकनीकों के प्रति जागरूक रहने और अपने कौशल को निरंतर विकसित करने के लिए प्रेरित किया। व्याख्यान के दौरान एक रोचक प्रश्नोत्तर सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस सत्र में छात्रों ने 'फामेर्सी में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' के उपयोग, दवाओं के निर्माण में इसकी भूमिका, तथा भविष्य में रोजगार के अवसरों से संबंधित कई महत्वपूर्ण प्रश्न पूछे। इस कार्यक्रम के दौरान डा. आरपी चड्डा चेयरमैन आईटीएस- दी एजुकेशन ग्रुप ने अपने संबोधन में कहा कि आधुनिक तकनीकों का ज्ञान छात्रों के लिए अत्यंत आवश्यक है और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे विषय भविष्य की दिशा तय करेंगे। कार्यक्रम में आगे संस्थान के निदेशक डा. एस. सदीश कुमार ने कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि सहित संस्थान के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, कार्यक्रम आयोजक, शिक्षकों एवं समस्त विद्यार्थियों का कार्यक्रम में हृदय से स्वागत किया और छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि मुझे विश्वास है यह कार्यक्रम आपके लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक रहेगा। हमारा संस्थान भविष्य में भी इस प्रकार के शैक्षणिक कार्यक्रमों का आयोजन करता रहेगा, जिससे विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित हो सके।

कार्यक्रम के अंत में आयोजकों द्वारा मुख्य अतिथि का धन्यवाद ज्ञापन किया गया। यह व्याख्यान छात्रों के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक सिद्ध हुआ। इस कार्यक्रम का संचालन शिक्षक डा. मनोज शर्मा, साक्षी चौहान, निधि शर्मा व मनीष कुमार ने किया।

आईटीएस कॉलेज ऑफ फार्मेसी में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर विशेषज्ञ व्याख्यान

■ स्मार्ट विज़न समाचार

गाजियाबाद। मुरादनगर स्थित आईटीएस कॉलेज ऑफ फामेर्सी में शुक्रवार को फामेर्सी में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम वैल्यू एडेड कोर्स के अंतर्गत आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य छात्रों को आधुनिक तकनीकों से जोड़ना और फामेर्सी क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम का शुभारंभ आईटीएस-दी एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आर.पी. चड्ढा, वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा, निदेशक डॉ. एस. सदीश कुमार और मुख्य अतिथि डॉ. वरुण सिंह ने सरस्वती वंदना व दीप प्रज्वलन के साथ किया।

मुख्य वक्ता डॉ. वरुण सिंह (साइंटिस्ट, गवर्नमेंट मेडिकल डिवाइस टेस्टिंग ऑफिसर, बायो-सेफ्टी ऑफिस, नोएडा) ने अपने व्याख्यान में बताया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस फामेर्सी के क्षेत्र में तेजी से अपनी जगह बना रहा है। उन्होंने दवा खोज, रोगों के निदान, फार्मास्युटिकल रिसर्च और पर्सनलाइज्ड ट्रीटमेंट में एआई के बढ़ते उपयोग पर विस्तार से जानकारी दी। व्याख्यान के दौरान आयोजित प्रश्नोत्तर सत्र में छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और एआई के उपयोग, दवा निर्माण में इसकी भूमिका तथा करियर संभावनाओं से जुड़े सवाल पूछे। विशेषज्ञ ने सरल भाषा में उत्तर देते हुए बताया कि भविष्य में फामेर्सी क्षेत्र में एआई की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो जाएगी। उन्होंने छात्रों को डेटा एनालिसिस, मशीन लर्निंग और तकनीकी कौशल विकसित करने की सलाह दी, जिससे वे इस क्षेत्र में बेहतर करियर बना सकें। इस संवादात्मक सत्र ने छात्रों के ज्ञान में वृद्धि के साथ उन्हें नई तकनीकों के प्रति जागरूक किया। इस अवसर पर चेयरमैन डॉ. आर.पी. चड्ढा ने कहा कि आधुनिक तकनीकों का ज्ञान समय की आवश्यकता है और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस भविष्य की दिशा तय करेगा। वहीं वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा ने छात्रों को पाठ्यक्रम के साथ-साथ नई तकनीकों को सीखने के लिए प्रेरित किया। संस्थान के निदेशक डॉ. एस. सदीश कुमार ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम छात्रों के सर्वांगीण विकास में सहायक होते हैं और भविष्य में भी इस तरह के आयोजन जारी रहेंगे।

NOIDA - GREATER NOI...

ITS College Of Pharmacy Organizes Expert Talk On Artificial Intelligence

On Mar 20, 2026

Share

ITS College of Pharmacy organized an Expert Talk on Artificial Intelligence (AI) in Pharmacy on 20th March, 2026 to provide insights into the rapidly expanding role of AI across various domains of healthcare, drug development, and pharmaceutical industry operations. On this occasion, Mr. Anjni Chadha, Vice Chairman, ITS - The Education Group, emphasized that now a days AI is revolutionizing the way we approach pharmacy practice and research from drug discovery and formulation development to personalized medicine and clinical decision-making. He also conveyed that such expert sessions play a vital role in providing our students and faculty with valuable insights into how innovative technologies like AI can enhance efficiency, accuracy, and patient outcomes.

Dr. S Sadish Kumar, Director, welcomed the faculty members and students to the Expert Talk for Value Added Course Module I. On this occasion, he introduced Dr. Varun Singh, and thanked him for his session on Artificial Intelligence, which is a part of Value Added Course on AI in Pharmacy (Module-I).

Dr. Varun Singh, Scientist III, Government Medical Device Testing Officer, Biosafety Office, National Institute of Biologicals, Noida started the session with an engaging and insightful interaction focused on guiding students toward personal and professional growth. The expert talk provided a comprehensive overview of the expanding role of artificial intelligence (AI) in the pharmaceutical and healthcare sectors, highlighting its applications in data analysis, predictive modeling, quality control, manufacturing optimization, and supply chain management, thereby improving overall efficiency and productivity. The speaker emphasized the growing importance of AI in promoting sustainability through carbon tracking systems that help reduce environmental impact and support green pharmaceutical manufacturing. Real-world examples of global adoption by companies such as Johnson & Johnson, Cipla, and technology-driven organizations in Agilent Technology, Singapore illustrated the increasing demand for professionals equipped with AI and digital skills. The session further explored the critical role of AI in clinical trials, where it enhances patient recruitment, monitoring, and data analysis, ultimately reducing trial timelines and improving success rates. The concept of in silico medicine was discussed as a transformative approach in drug development, enabling computer-based simulations to predict drug interactions, toxicity, and efficacy, thus significantly reducing research time and experimental workload.

Additionally, AI-driven diagnostic systems were highlighted for their ability to analyze large datasets for early and accurate disease detection, while its role in personalized medicine was underscored through the design of individualized treatment strategies based on patient-specific data. The talk also addressed advancements in digital therapeutics and virtual healthcare, including remote monitoring and AI-supported treatment platforms that enhance patient accessibility and care continuity. Finally, the application of AI in detecting retinal disorders, radiotherapy, Drug Discovery and other major diseases such as cancer, cardiovascular, diabetes and neurological conditions demonstrated its vast potential in improving diagnostic precision and clinical outcomes.

The program witnessed enthusiastic participation of 155 attendees present during the session. The session concluded with an interactive question-and-answer segment, during which students actively participated and raised queries related to advancement of Artificial Intelligence in several pharmaceutical sectors. All questions were thoughtfully addressed by the speaker, making the session highly informative and motivating for the participants. Ms. Nidhi Sharma, Assistant Professor, presented the vote of thanks and conveyed sincere appreciation to the respected expert speaker, faculty members, students, and organizers for their presence and support. The event was effectively coordinated by Dr. Manoj Kumar Sharma, Professor along with event-coordinators Mr. Manish Kumar (PDP trainer), and Ms. Sakshi Chauhan (Asst. Prof.). The program concluded with group photographs followed by the National Anthem.

TEN NEWS SPONSORS

GALGOTIAS UNIVERSITY

GL BAJAJ
FIND YOUR SPARK

I.T.S

EPCH

आई0 टी0 एस कॉलेज ऑफ फामेर्सी में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) का फामेर्सी में उपयोग पर विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन

पहल टुडे

गाजियाबाद। आई0 टी0 एस कॉलेज ऑफ फामेर्सी, मुरादनगर, गाजियाबाद द्वारा दिनांक 20 मार्च, 2026 को फामेर्सी के क्षेत्र में नवाचार और तकनीकी उन्नति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कृत्रिम बुद्धिमत्ता इन फामेसी विषय पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम वैल्यू एडेड कोर्स के अंतर्गत मॉड्यूल-1 का हिस्सा था। कार्यक्रम का शुभारम्भ आई0 टी0 एस-दी एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ0 आर0 पी0 चढ्डा, वाईस चेयरमैन श्री अर्पित चढ्डा, संस्थान के निदेशक डॉ0 एस0 सदीश कुमार एवं मुख्य अतिथि डॉ० वरूण सिंह, साइंटिस्ट-III, गवर्नमेंट मेडिकल डिवाइस टेस्टिंग ऑफिसर, बायो-सेफ्टी ऑफिस, नोएडा ने सरस्वती माँ के समक्ष दीप प्रज्वलन व सरस्वती वंदना के साथ किया।कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ० वरूण सिंह, साइंटिस्ट- III, गवर्नमेंट मेडिकल डिवाइस टेस्टिंग ऑफिसर, बायो-सेफ्टी ऑफिस, नोएडा ने भाग लिया। उन्होंने कृत्रिम बुद्धिमत्ता के फामेर्सी क्षेत्र में बढ़ते महत्व, दवा विकास, रोग निदान और फार्मास्युटिकल रिसर्च में इसके उपयोग पर विस्तृत जानकारी दी। साथ ही, उन्होंने छात्रों को आधुनिक तकनीकों के प्रति जागरूक रहने और अपने कौशल को निरंतर विकसित करने के लिए प्रेरित किया। व्याख्यान के दौरान एक रोचक प्रश्नोत्तर सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस सत्र में छात्रों ने फामेर्सी में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग, दवाओं के निर्माण में इसकी भूमिका, तथा भविष्य में रोजगार के अवसरों से संबंधित कई महत्वपूर्ण प्रश्न पूछे। मुख्य अतिथि विशेषज्ञ ने सरल एवं स्पष्ट भाषा में सभी प्रश्नों के उत्तर देते हुए बताया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस दवा खोज, रोगों के निदान, तथा व्यक्तिगत उपचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि आने वाले समय में फामेर्सी क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग तेजी से बढ़ेगा, जिससे नई तकनीकों और शोध के अवसरों में वृद्धि होगी। छात्रों ने विशेष रूप से यह जानने में रुचि दिखाई कि वे इस क्षेत्र में अपने करियर की शुरूआत कैसे कर सकते हैं। विशेषज्ञ ने उन्हें आवश्यक कौशल जैसे डेटा विश्लेषण, मशीन लर्निंग की बुनियादी जानकारी, तथा तकनीकी ज्ञान विकसित करने की सलाह दी।

इस संवादात्मक सत्र ने विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं को शांत करने के साथ-साथ उनके ज्ञान में वृद्धि की और उन्हें आधुनिक तकनीकों के प्रति जागरूक किया।इस कार्यक्रम के दौरान डॉ0 आर0 पी0 चढ्डा, चेयरमैन, आई0 टी0 एस-दी एजुकेशन ग्रुप ने अपने संबोधन में कहा कि आधुनिक तकनीकों का ज्ञान छात्रों के लिए अत्यंत आवश्यक है और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे विषय भविष्य की दिशा तय करेंगे।इस अवसर पर श्री अर्पित चढ्डा, वाईस चेयरमैन, आई0 टी0 एस-दी एजूकेशन ग्रुप ने अपने प्रेरणादायक संबोधन में कहा कि आज का युग डिजिटल और तकनीकी विकास का युग है, जिसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि वे केवल पाठ्यक्रम तक सीमित न रहें, बल्कि नई तकनीकों को सीखने और समझने का निरंतर प्रयास करें।कार्यक्रम में आगे संस्थान के निदेशक डॉ0 एस0 सदीश कुमार ने कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि सहित संस्थान के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, कार्यक्रम आयोजक, शिक्षकों एवं समस्त विद्यार्थियों का कार्यक्रम में हृदय से स्वागत किया और छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि मुझे विश्वास है यह कार्यक्रम आपके लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक रहेगा। हमारा संस्थान भविष्य में भी इस प्रकार के शैक्षणिक कार्यक्रमों का आयोजन करता रहेगा, जिससे विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित हो सके।कार्यक्रम के अंत में आयोजकों द्वारा मुख्य अतिथि का धन्यवाद ज्ञापन किया गया। यह व्याख्यान छात्रों के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक सिद्ध हुआ।इस कार्यक्रम का संचालन शिक्षक गण डॉ0 मनोज शर्मा, मिस0 साक्षी चौहान, मिस0 निधि शर्मा व मि0 मनीष कुमार ने किया।

आई टी एस कॉलेज ऑफ फामेर्सी में

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) का फामेर्सी में उपयोग पर विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया

जन सागर टुडे (सं)

मुरादनगर। आई टी एस कॉलेज ऑफ फामेर्सी, मुरादनगर, गाजियाबाद द्वारा फामेर्सी के क्षेत्र में नवाचार और तकनीकी उन्नति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कृत्रिम बुद्धिमत्ता इन फामेर्सी विषय पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम वैल्यू एडेड कोर्स के अंतर्गत मॉड्यूल-1 का हिस्सा था।

कार्यक्रम का शुभारम्भ आईटीएस-दी एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आर पी चढ्ढा, वाईस चेयरमैन अर्पित चढ्ढा, संस्थान के निदेशक डॉ एस सदीश कुमार एवं मुख्य अतिथि डॉ. वरूण सिंह, साइंटिस्ट-III, गवर्नमेंट मेडिकल डिवाइस टेस्टिंग ऑफिसर, बायो-सेफ्टी ऑफिस, नोएडा ने सरस्वती माँ के समक्ष दीप प्रज्वलन व सरस्वती वंदना के साथ किया।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ वरूण सिंह, साइंटिस्ट- III, गवर्नमेंट मेडिकल डिवाइस टेस्टिंग ऑफिसर, बायो- सेफ्टी ऑफिस, नोएडा ने भाग लिया। उन्होंने कृत्रिम बुद्धिमत्ता के फामेर्सी क्षेत्र में बढ़ते महत्व, दवा विकास, रोग निदान और फार्मास्युटिकल रिसर्च में इसके उपयोग पर विस्तृत जानकारी दी। साथ ही, उन्होंने छात्रों को आधुनिक तकनीकों के प्रति जागरूक रहने और अपने कौशल को निरंतर विकसित करने के लिए प्रेरित किया। व्याख्यान के दौरान एक रोचक प्रश्नोत्तर सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस सत्र में छात्रों ने फामेर्सी में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग, दवाओं के निर्माण में इसकी भूमिका, तथा भविष्य में रोजगार के अवसरों से संबंधित कई महत्वपूर्ण प्रश्न पूछे।

मुख्य अतिथि विशेषज्ञ ने सरल एवं स्पष्ट भाषा में सभी प्रश्नों के उत्तर देते हुए बताया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस दवा खोज, रोगों के निदान, तथा व्यक्तिगत उपचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि आने वाले समय में फामेर्सी क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग तेजी से बढ़ेगा, जिससे नई तकनीकों और शोध के अवसरों में वृद्धि होगी।

छात्रों ने विशेष रूप से यह जानने में रुचि दिखाई कि वे इस क्षेत्र में अपने करियर की शुरूआत कैसे कर सकते हैं। विशेषज्ञ ने उन्हें आवश्यक कौशल जैसे डेटा विश्लेषण, मशीन लर्निंग की बुनियादी जानकारी, तथा तकनीकी ज्ञान विकसित करने की सलाह दी। इस संवादात्मक सत्र ने विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं को शांत करने के साथ-साथ उनके ज्ञान में वृद्धि की और उन्हें आधुनिक तकनीकों के प्रति जागरूक किया।

इस कार्यक्रम के दौरान डॉ आरपी चढ्ढा, चेयरमैन, आई टी एस-दी एजुकेशन ग्रुप ने अपने संबोधन में कहा कि आधुनिक तकनीकों का ज्ञान छात्रों के लिए अत्यंत आवश्यक है और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे विषय भविष्य की दिशा तय करेंगे।

इस अवसर पर अर्पित चढ्ढा, वाईस चेयरमैन, आई टी एस-दी एजुकेशन ग्रुप ने अपने प्रेरणादायक संबोधन में कहा कि आज का युग डिजिटल और तकनीकी विकास का युग है, जिसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि वे केवल पाठ्यक्रम तक सीमित न रहें, बल्कि नई तकनीकों को सीखने और समझने का निरंतर प्रयास करें।

कार्यक्रम में आगे संस्थान के निदेशक डॉ एस सदीश कुमार ने कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि सहित संस्थान के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, कार्यक्रम आयोजक, शिक्षकों एवं समस्त विद्यार्थियों का कार्यक्रम में हृदय से स्वागत किया और छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि मुझे विश्वास है यह कार्यक्रम आपके लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक रहेगा। हमारा संस्थान भविष्य में भी इस प्रकार के शैक्षणिक कार्यक्रमों का आयोजन करता रहेगा, जिससे विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित हो सके।

कार्यक्रम के अंत में आयोजकों द्वारा मुख्य अतिथि का धन्यवाद ज्ञापन किया गया। यह व्याख्यान छात्रों के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक सिद्ध हुआ।

इस कार्यक्रम का संचालन शिक्षक गण डॉ मनोज शर्मा, मिस साक्षी चौहान, मिस निधि शर्मा व मि मनीष कुमार ने किया।

आईटीएस कॉलेज में व्याख्यान का आयोजन

वर्तमान सत्ता

मुरादनगर। आई0 टी0 एस कॉलेज ऑफ फार्मेसी, मुरादनगर, गाजियाबाद द्वारा फार्मेसी के क्षेत्र में नवाचार और तकनीकी उन्नति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से "कृत्रिम बुद्धिमत्ता इन फार्मेसी" विषय पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम वैल्यू एडेड कोर्स के अंतर्गत मॉड्यूल–1 का हिस्सा था।

कार्यक्रम का शुभारम्भ आई0 टी0 एस–दी एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ0 आर0 पी0 चढ्ढा, वाईस चेयरमैन श्री अर्पित चढ्ढा, संस्थान के निदेशक डॉ0 एस0 सदीश कुमार एवं मुख्य अतिथि डॉ० वरूण सिंह, साइंटिस्ट–प्प्, गवर्नमेंट मेडिकल डिवाइस टेस्टिंग ऑफिसर, बायो– सेफ्टी ऑफिस, नोएडा ने सरस्वती माँ के समक्ष दीप प्रज्वलन व सरस्वती वंदना के साथ किया।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ० वरूण सिंह, साइंटिस्ट– प्प्, गवर्नमेंट मेडिकल डिवाइस टेस्टिंग ऑफिसर, बायो– सेफ्टी ऑफिस, नोएडा ने भाग लिया। उन्होंने कृत्रिम बुद्धिमत्ता के फार्मेसी क्षेत्र में बढ़ते महत्व, दवा विकास, रोग निदान और फार्मास्युटिकल रिसर्च में इसके उपयोग पर विस्तृत जानकारी दी। साथ ही, उन्होंने छात्रों को आधुनिक तकनीकों के प्रति जागरूक रहने और अपने कौशल को निरंतर विकसित करने के लिए प्रेरित किया। व्याख्यान के दौरान एक रोचक प्रश्नोत्तर सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस सत्र में छात्रों ने "फार्मेसी में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस" के उपयोग, दवाओं के निर्माण में इसकी भूमिका, तथा भविष्य में रोजगार के अवसरों से संबंधित कई महत्वपूर्ण प्रश्न पूछे। मुख्य अतिथि विशेषज्ञ ने सरल एवं स्पष्ट भाषा में सभी प्रश्नों के उत्तर देते हुए बताया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस दवा खोज, रोगों के निदान, तथा व्यक्तिगत उपचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि आने वाले समय में फार्मेसी क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग तेजी से बढ़ेगा, जिससे नई तकनीकों और शोध के अवसरों में वृद्धि होगी। छात्रों ने विशेष रूप से यह जानने में रुचि दिखाई कि वे इस क्षेत्र में अपने करियर की शुरुआत कैसे कर सकते हैं। विशेषज्ञ ने उन्हें आवश्यक कौशल जैसे डेटा विश्लेषण, मशीन लर्निंग की बुनियादी जानकारी, तथा तकनीकी ज्ञान विकसित करने की सलाह दी।

इस संवादात्मक सत्र ने विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं को शांत करने के साथ–साथ उनके ज्ञान में वृद्धि की और उन्हें आधुनिक तकनीकों के प्रति जागरूक किया। इस कार्यक्रम के दौरान डॉ0 आर0 पी0 चढ्ढा, चेयरमैन, आई0 टी0 एस–दी एजुकेशन ग्रुप ने अपने संबोधन में कहा कि आधुनिक तकनीकों का ज्ञान छात्रों के लिए अत्यंत आवश्यक है और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे विषय भविष्य की दिशा तय करेंगे।

सार्वजनिक सूचना

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि भूखण्ड सं०– ए–06, अशोक नगर, गाजियाबाद के वर्तमान भू–स्तामी मै० एन०के० अग्रवाल बिल्डकॉन प्रा०लि० द्वारा डायरेक्टर श्री अंकुर अग्रवाल पुत्र श्री नन्दकिशोर अग्रवाल, निवासी–अई–एफ–13, नेहरुनगर, मेन रोड, राकेश मार्ग, गाजियाबाद द्वारा प्रश्नगत आवासीय भूखण्ड पर पूर्व में किये गये निर्माण को मिश्रित भू–उपयोग (आवासीय तथा व्यवसायिक) के अन्तर्गत शमन कराने हेतु उ०प्र० विकास प्राधिकरण भवन निर्माण एवं विकास उपविधियाँ तथा आदर्श जोनिंग रेगुलेशन्स के आधार पर शमन आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उ०प्र० शासन के आवास एवं शहरी नियोजन विभाग द्वारा जारी किये गये शासनादेश सं०–1323/2025/आठ–3099/208/2025 दिनांक 04 जुलाई 2025 के माध्यम से वर्तमान में प्रभावी उ०प्र० विकास प्राधिकरण भवन निर्माण एवं विकास उपविधियों तथा आदर्श जोनिंग रेगुलेशन्स–2025 के अन्तर्गत प्राधिकरण की योजनाओं/प्राधिकरण द्वारा स्वीकृत योजनाओं में 24.00 मी0 या 24.00 मी० से अधिक चौड़ी सडकों पर स्थित आवासीय भू–उपयोग के भूखण्डों में मिश्रित भू–उपयोग अनुमन्य किया गया है। उ०प्र० विकास प्राधिकरण भवन निर्माण एवं विकास उपविधियों तथा आदर्श जोनिंग रेगुलेशन्स 2025 में मिश्रित भू–उपयोग के आवेदन पर स्वीकृति प्रदान किये जाने से पूर्व 15 दिन का समय प्रदान करते हुए जनसामान्य से आपत्ति एवं सुझाव आमंत्रित किये जाने का प्राविधान है। अतः उपरोक्त के सम्बन्ध में यदि कोई आपत्ति / सुझाव है तो आपत्ति/सुझाव की दो प्रतियों में प्रवर्तन जोन–4, गाजियाबाद विकास प्राधिकरण, गाजियाबाद के कार्यालय में इस सूचना

फामेर्सी में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की दस्तक: आईटीएस कॉलेज में विशेषज्ञ व्याख्यान से छात्रों को मिली नई दिशा

▶ दवा विकास और रोग निदान में एआई की भूमिका पर वैज्ञानिक ने दी विस्तृत जानकारी

▶ प्रश्नोत्तर सत्र में छात्रों ने दिखाई जिज्ञासा, करियर के नए अवसरों पर हुई चर्चा

उदय भूमि संवाददाता

गाजियाबाद। दिल्ली मेरठ रोड़ स्थित आईटीएस कॉलेज ऑफ फामेर्सी, मुरादनगर में फामेर्सी क्षेत्र में नवाचार और तकनीकी उन्नति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'कृत्रिम बुद्धिमत्ता इन फामेर्सी' विषय पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम वैल्यू एड-ेड कोर्स के अंतर्गत मॉड्यूल-1 का हिस्सा था, जिसमें छात्रों को आधुनिक तकनीकों से जोड़ने का प्रयास किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ आईटीएस- द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आर. पी. चड्ढा, वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा, संस्थान के निदेशक डॉ. एस. सदीश कुमार एवं मुख्य अतिथि डॉ. वरुण सिंह द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने छात्रों को नई तकनीकों को अपनाने और अपने कौशल को निरंतर विकसित करने के लिए प्रेरित किया। मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित डॉ. वरुण सिंह, जो कि सरकारी मेडिकल उपकरण परीक्षण अधिकारी एवं बायो-सेफ्टी ऑफिस, नोएडा में वैज्ञानिक-तृतीय के पद पर कार्यरत हैं, ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता के फामेर्सी क्षेत्र में बढ़ते महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आज दवा खोज, रोगों के सटीक निदान, व्यक्तिगत उपचार और फार्मास्युटिकल अनुसंधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। व्याख्यान के दौरान आयोजित प्रश्नोत्तर सत्र कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण रहा। इस सत्र में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए फामेर्सी में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग, दवाओं के निर्माण में इसकी भूमिका और भविष्य में रोजगार के अवसरों से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रश्न पूछे। मुख्य अतिथि ने सरल और सहज भाषा में सभी प्रश्नों के उत्तर देते हुए छात्रों की जिज्ञासाओं को शांत किया। डॉ. वरुण सिंह ने छात्रों को सलाह दी कि वे डेटा विश्लेषण, मशीन लर्निंग की बुनियादी समझ और तकनीकी ज्ञान पर विशेष ध्यान दें, ताकि वे इस तेजी से विकसित हो रहे क्षेत्र में

▶ तकनीकी कौशल और नवाचार ही भविष्य की कुंजी

अपने करियर को मजबूत बना सकें। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में फामेर्सी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का समन्वय नए शोध और नवाचार के द्वार खोलेगा। इस अवसर पर आईटीएस- द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आर. पी. चड्ढा ने अपने संबोधन में कहा कि आधुनिक तकनीकों का ज्ञान आज के छात्रों के लिए अत्यंत आवश्यक हो गया है और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे विषय भविष्य की दिशा निर्धारित करेंगे। वहीं वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा ने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे केवल पाठ्यक्रम तक सीमित न रहें, बल्कि नई तकनीकों को सीखने और समझने का निरंतर प्रयास करें। संस्थान के निदेशक डॉ. एस. सदीश कुमार ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों, शिक्षकों और विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम छात्रों के ज्ञान और कौशल को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह व्याख्यान विद्यार्थियों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा और संस्थान भविष्य में भी ऐसे शैक्षणिक कार्यक्रम आयोजित करता रहेगा। कार्यक्रम के अंत में आयोजकों द्वारा मुख्य अतिथि का धन्यवाद ज्ञापन किया गया। इस अवसर पर डॉ. मनोज शर्मा, साक्षी चौहान, निधि शर्मा एवं मनीष कुमार सहित शिक्षकगण ने कार्यक्रम का सफल संचालन किया। यह व्याख्यान छात्रों के लिए ज्ञानवर्धक, प्रेरणादायक और भविष्य की दिशा तय करने वाला साबित हुआ।

आईटीएस कॉलेज ऑफ फार्मेसी में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का फार्मेसी में उपयोग पर विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन

मुरादनगर (हिन्द आत्मा)। आईटीएस कॉलेज ऑफ फामेर्सी मुरादनगर, गाजियाबाद द्वारा 20 मार्च को फामेर्सी के क्षेत्र में नवाचार और तकनीकी उन्नति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'कृत्रिम बुद्धिमत्ता इन फामेर्सी' विषय पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम वैल्यू एडेड कोर्स के अंतर्गत मॉड्यूल- 1 का हिस्सा था। कार्यक्रम का शुभारम्भ आईटीएस-दी एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आरपी चद्दा वाईस चेयरमैन अर्पित चद्दा, संस्थान के निदेशक डॉ. एस. सदीश कुमार एवं मुख्य अतिथि डॉ वरूण सिंह, साईंटिस्ट-क्क्क गवर्नमेंट मेडिकल डिवाइस टेस्टिंग ऑफिसर, बायो- सेफ्टी ऑफिस, नोएडा ने सरस्वती माँ के समक्ष दीप प्रज्वलन व सरस्वती वंदना के साथ किया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. वरूण सिंह, साईंटिस्ट- क्क्क गवर्नमेंट मेडिकल डिवाइस टेस्टिंग ऑफिसर, बायो- सेफ्टी ऑफिस, नोएडा ने भाग लिया। उन्होंने कृत्रिम बुद्धिमत्ता के फामेर्सी क्षेत्र में बढ़ते महत्व, दवा विकास, रोग निदान और फार्मास्युटिकल रिसर्च में इसके उपयोग पर विस्तृत जानकारी दी। साथ ही, उन्होंने छात्रों को आधुनिक तकनीकों के प्रति जागरूक रहने और अपने कौशल को निरंतर विकसित करने के लिए प्रेरित किया। व्याख्यान के दौरान एक रोचक प्रश्नोत्तर सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस सत्र में छात्रों ने 'फामेर्सी में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' के उपयोग, दवाओं के निर्माण में इसकी भूमिका, तथा भविष्य में रोजगार के अवसरों से संबंधित कई महत्वपूर्ण प्रश्न पूछे। मुख्य अतिथि विशेषज्ञ ने सरल एवं स्पष्ट भाषा में सभी प्रश्नों के उत्तर देते हुए बताया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस दवा खोज, रोगों के निदान, तथा व्यक्तिगत उपचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

उन्होंने यह भी बताया कि आने वाले समय में फामेर्सी क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग तेजी से बढ़ेगा, जिससे नई तकनीकों और शोध के अवसरों में वृद्धि होगी। छात्रों ने विशेष रूप से यह जानने में रुचि दिखाई कि वे इस क्षेत्र में अपने करियर की शुरूआत कैसे कर सकते हैं। विशेषज्ञ ने उन्हें आवश्यक कौशल जैसे डेटा विश्लेषण, मशीन लर्निंग की बुनियादी जानकारी, तथा तकनीकी ज्ञान विकसित करने की सलाह दी। इस संवादात्मक सत्र ने विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं को शांत करने के साथ-साथ उनके ज्ञान में वृद्धि की और उन्हें आधुनिक तकनीकों के प्रति जागरूक किया। इस कार्यक्रम के दौरान डॉ. आरपी चद्दा, चेयरमैन, आईटीएस-दी एजुकेशन ग्रुप ने अपने संबोधन में कहा कि आधुनिक तकनीकों का ज्ञान छात्रों के लिए अत्यंत आवश्यक है और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे विषय भविष्य की दिशा तय करेंगे। इस अवसर पर अर्पित चद्दा, वाईस चेयरमैन, आईटीएस-दी एजुकेशन ग्रुप ने अपने प्रेरणादायक संबोधन में कहा कि आज का युग डिजिटल और तकनीकी विकास का युग है, जिसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि वे केवल पाठ्यक्रम तक सीमित न रहें, बल्कि नई तकनीकों को सीखने और समझने का निरंतर प्रयास करें। कार्यक्रम में आगे संस्थान के निदेशक डॉ एस सदीश कुमार ने कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि सहित संस्थान के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, कार्यक्रम आयोजक, शिक्षकों एवं समस्त विद्यार्थियों का कार्यक्रम में हृदय से स्वागत किया और छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि मुझे विश्वास है यह कार्यक्रम आपके लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक रहेगा। हमारा संस्थान भविष्य में भी इस प्रकार के शैक्षणिक कार्यक्रमों का आयोजन करता रहेगा, जिससे विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित हो सके। कार्यक्रम के अंत में आयोजकों द्वारा मुख्य अतिथि का धन्यवाद ज्ञापन किया गया। यह व्याख्यान छात्रों के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक सिद्ध हुआ। इस कार्यक्रम का संचालन शिक्षकगण डॉ. मनोज शर्मा, साक्षी चौहान, निधि शर्मा व मनीष कुमार ने किया।

निविदा सूचना

एमएमएच कॉलेज, गाजियाबाद

सूचित किया जाता है कि एमएमएच कॉलेज, गाजियाबाद में साईकिल स्टैण्ड का ठेका वित्त वर्ष (2026-27) लेने के इच्छुक ठेकेदार सीलबंद लिफाफे में अपनी निविदा प्राचार्य, एमएमएच कॉलेज, गाजियाबाद के नाम डाक द्वारा प्रेषित करें। निविदा दिनांक 10.04.2026 को प्रातः 12 बजे प्राचार्य कार्यालय में खोली जायेगी। प्राचार्य किसी भी निविदा को स्वीकार व निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित रखते है। स्वीकृत निविदा को किसी भी समय निरस्त किया जा सकता है।

प्राचार्य एमएमएच कॉलेज, गाजियाबाद
सचिव एमएमएच कॉलेज, गाजियाबाद

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि भवन संख्या-जे-20, सै0-23, संजयनगर, गाजियाबाद श्री हरि प्रसाद पुत्र श्री भगवत प्रसाद को आवंटित है। आवंटी द्वारा उक्त भवन की बाबत श्री राजनाथ यादव पुत्र श्री नथ्घोली यादव को मु०आम नियुक्त किया गया है। तत्पश्चात मु०आम द्वारा मूल आवंटी के पक्ष में रजिस्ट्री दिनांक 11.01.2007 को निष्पादित कराया गया है। तत्पश्चात मूल आवंटी श्री हरी प्रसाद पुत्र स्व० श्री भगवत सिंह द्वारा श्रीमती सीता देवी पत्नी श्री विनोद कुमार यादव को दिनांक 23.11.2023 विक्रय किया गया है। अब वर्तमान क्रेता श्रीमती सीता देवी द्वारा नियमानुसार शपथ पत्र, रजिस्ट्री की प्रति एवं पहचान पत्र की छायाप्रति प्रस्तुत करते हुए नामदर्ज हेतु अनुरोध किया गया है।

इस सम्बन्ध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 20 दिन के अन्दर अपनी आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज करा दें। अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण के अभिलेखों में मूल आवंटी के स्थान पर वर्तमान क्रेता का नाम दर्ज कर लिया जायेगा।

सहायक प्रभारी सम्पत्ति जोन-03
गाजियाबाद विकास प्राधिकरण

फार्मेसी में एआई का बढ़ता कदम: आईटीएस कॉलेज में विशेषज्ञ व्याख्यान ने खोले भविष्य के नए द्वार

सोशल मीडिया टाइम्स

गाजियाबाद। आईटीएस कॉलेज ऑफ फार्मेसी, मुरादनगर (गाज़ियाबाद) में 20 मार्च 2026 को 'कृत्रिम बुद्धिमत्ता इन फार्मेसी' विषय पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम फार्मेसी क्षेत्र में नवाचार और तकनीकी उन्नति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वैल्यू एडेड कोर्स के अंतर्गत आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ आईटीएस ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आर. पी. चड्ढा, वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा, संस्थान के निदेशक डॉ. एस. सदीश कुमार तथा मुख्य अतिथि डॉ. वरुण सिंह (साइंटिस्ट-III, गवर्नमेंट मेडिकल डिवाइस टेस्टिंग ऑफिसर, बायो-सेफ्टी ऑफिस, नोएडा) द्वारा सरस्वती पूजन एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। मुख्य वक्ता डॉ. वरुण सिंह

दवा निर्माण से लेकर रोग निदान तक 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' की भूमिका पर मंथन, छात्रों को मिले करियर के नए संकेत

ने अपने व्याख्यान में आर्टिफिशल इंटेलिजेंस के फार्मेसी क्षेत्र में बढ़ते महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि एआई आज दवा खोज, रोग निदान और फार्मास्युटिकल रिसर्च में क्रांतिकारी बदलाव ला रहा है। उन्होंने छात्रों को आधुनिक तकनीकों के प्रति जागरूक रहने और अपने कौशल को निरंतर विकसित करने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम के दौरान आयोजित प्रश्नोत्तर सत्र में छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए एआई के उपयोग, दवाओं के निर्माण में इसकी भूमिका और भविष्य में करियर की संभावनाओं से जुड़े कई सवाल पूछे। विशेषज्ञ ने सरल भाषा में उत्तर देते हुए बताया कि आने वाले समय में फार्मेसी में एआई का दायरा तेजी से बढ़ेगा और इससे रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

अपने संबोधन में चेयरमैन डॉ. आर. पी. चड्ढा ने कहा कि आधुनिक तकनीकों का ज्ञान आज के विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य हो गया है। वहीं वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा ने छात्रों को पाठ्यक्रम से आगे बढ़कर नई तकनीकों को सीखने की सलाह दी। संस्थान के निदेशक डॉ. एस. सदीश कुमार ने सभी अतिथियों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए विश्वास जताया कि यह कार्यक्रम छात्रों के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक साबित होगा।

कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. मनोज शर्मा, साक्षी चौहान, निधि शर्मा एवं मनीष कुमार द्वारा किया गया। अंत में आयोजकों ने मुख्य अतिथि का आभार व्यक्त किया। यह व्याख्यान न केवल छात्रों के लिए ज्ञानवर्धक रहा, बल्कि उन्हें भविष्य की तकनीकों और करियर के नए आयामों से भी परिचित कराने वाला साबित हुआ।

आई0 टी0 एस कॉलेज ऑफ फामेर्सी में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) का फामेर्सी में उपयोग पर विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन

राष्ट्रीय सुनहरा संसार
वन्दना जोशी संवाददाता

मुरादनगर। दिल्ली मेरठ मार्ग स्थित आई0 टी0 एस कॉलेज ऑफ फामेर्सी, मुरादनगर, गाजियाबाद द्वारा दिनांक 20 मार्च, 2026 को फामेर्सी के क्षेत्र में नवाचार और तकनीकी उन्नति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ह्लकृत्रिम बुद्धिमत्ता इन फामेर्सीह्व विषय पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम वैल्यू एडेड कोर्स के अंतर्गत मॉड्यूल-1 का हिस्सा था। कार्यक्रम का शुभारम्भ आई0 टी0 एस-दी एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ0 आर0 पी0 चढ्डा, वाईस चेयरमैन श्री अर्पित चढ्डा, संस्थान के निदेशक डॉ0 एस0 सदीश कुमार एवं मुख्य अतिथि डॉ० वरूण सिंह, साइंटिस्ट-क्क्क्र गवर्नमेंट मेडिकल डिवाइस टेस्टिंग ऑफिसर, बायो- सेफ्टी ऑफिस, नोएडा ने सरस्वती माँ के समक्ष दीप प्रज्वलन व सरस्वती वंदना के साथ किया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ० वरूण सिंह, साइंटिस्ट- क्क्क्र गवर्नमेंट मेडिकल डिवाइस टेस्टिंग ऑफिसर, बायो- सेफ्टी ऑफिस, नोएडा ने भाग लिया। उन्होंने कृत्रिम बुद्धिमत्ता के फामेर्सी क्षेत्र में बढ़ते महत्व, दवा विकास, रोग निदान और फार्मास्युटिकल रिसर्च में इसके उपयोग पर विस्तृत जानकारी दी। साथ ही, उन्होंने छात्रों को आधुनिक तकनीकों के प्रति जागरूक रहने और अपने कौशल को निरंतर विकसित करने के लिए प्रेरित किया। व्याख्यान के दौरान एक रोचक प्रश्नोत्तर सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस सत्र में छात्रों ने ह्लफामेर्सी में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंसह्व के उपयोग, दवाओं के निर्माण में इसकी भूमिका, तथा भविष्य में रोजगार के अवसरों से संबंधित कई महत्वपूर्ण प्रश्न पूछे। मुख्य अतिथि विशेषज्ञ ने सरल एवं स्पष्ट भाषा में सभी प्रश्नों के उत्तर देते हुए बताया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस दवा खोज, रोगों के निदान, तथा व्यक्तिगत उपचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि आने वाले समय में फामेर्सी क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग तेजी से बढ़ेगा, जिससे नई तकनीकों और शोध के अवसरों में वृद्धि होगी। छात्रों ने विशेष रूप से यह जानने में रुचि दिखाई कि वे इस क्षेत्र में अपने करियर की शुरूआत कैसे कर सकते हैं। विशेषज्ञ ने उन्हें आवश्यक कौशल जैसे डेटा विश्लेषण, मशीन लर्निंग की बुनियादी जानकारी, तथा तकनीकी ज्ञान विकसित करने की सलाह दी। इस संवादात्मक सत्र ने विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं को शांत करने के साथ- साथ उनके ज्ञान में वृद्धि की और उन्हें आधुनिक तकनीकों के प्रति जागरूक किया। इस कार्यक्रम के दौरान डॉ0 आर0 पी0 चढ्डा, चेयरमैन, आई0 टी0 एस-दी एजुकेशन ग्रुप ने अपने संबोधन में कहा कि आधुनिक तकनीकों का ज्ञान छात्रों के लिए अत्यंत आवश्यक है और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे विषय भविष्य की दिशा तय करेंगे। इस अवसर पर श्री अर्पित चढ्डा, वाईस चेयरमैन, आई0 टी0 एस-दी एजूकेशन ग्रुप ने अपने प्रेरणादायक संबोधन में कहा कि आज का युग डिजिटल और तकनीकी विकास का युग है, जिसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि वे केवल पाठ्यक्रम तक सीमित न रहें, बल्कि नई तकनीकों को सीखने और समझने का निरंतर प्रयास करें। कार्यक्रम में आगे संस्थान के निदेशक डॉ0 एस0 सदीश कुमार ने कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि सहित संस्थान के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, कार्यक्रम आयोजक, शिक्षकों एवं समस्त विद्यार्थियों का कार्यक्रम में हृदय से स्वागत किया और छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि मुझे विश्वास है यह कार्यक्रम आपके लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक रहेगा। हमारा संस्थान भविष्य में भी इस प्रकार के शैक्षणिक कार्यक्रमों का आयोजन करता रहेगा, जिससे विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित हो सके। कार्यक्रम के अंत में आयोजकों द्वारा मुख्य अतिथि का धन्यवाद ज्ञापन किया गया। यह व्याख्यान छात्रों के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक सिद्ध हुआ। इस कार्यक्रम का संचालन शिक्षक गण डॉ0 मनोज शर्मा, मिस0 साक्षी चौहान, मिस0 निधि शर्मा व मि0 मनीष कुमार ने किया।